ENGLISH हिन्दी DAILY / दैनिक

जागरण जंक्शन

JAGRAN JUNCTION

संपादक : आशुतोष शिवलोचन गुप्ता

PRGI Regi. No. MAHBIL/2023/84174

शुक्रवार/ FRIDAY

21 नवंबर 2025 | संवत् २०८२, कार्तिक शुक्ल पक्ष-१ | सूर्योदय 06.30 am | सूर्यास्त 05.39 pm | Vol.4 | Issue 006 | Pg.08 | मुंबई संस्करण | मूल्य : ₹.5/-

समाचार एवं विज्ञापन के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार के पूछताछ के लिए संपर्क करें
9004 258 116

मानसिक स्वास्थ्य पर खतरा:

मोबाइल की 'डिजिटल गिरफ्त' में 73% लोग, प्रतिदिन सात घंटे तक बिताते हैं स्क्रीन पर

मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग मानसिक स्वास्थ्य के लिए कितना बड़ा खतरा बनता जा रहा है, यह मोबाइल की लत से परेशान 500 लोगों पर किए गए अध्ययन में सामने आया है। इसके अनुसार, 73 प्रतिशत लोग मोबाइल की अति निर्भरता वाली लत यानी डिजिटल डिपेंडेंसी से पीड़ित पाए गए।

सर्वे के अनुसार: साइलेंट डिप्रेशन शिकार पाए गए लोग

ये लोग अत्यधिक मोबाइल उपयोग के कारण बिना महसूस किए यानी मूक अवसाद (साइलेंट डिप्रेशन) का शिकार पाए गए हैं। वहीं, 80 प्रतिशत प्रतिभागियों में हल्का, लेकिन लगातार चलने वाला अवसाद देखा गया।

यह अध्ययन इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विभाग द्वारा किया गया है। इसमें पाया गया है कि आमतौर पर अधिकांश लोग प्रतिदिन औसतन सात घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अध्ययन में शामिल लोगों में मोबाइल न मिलने पर घबराहट (नोमोफोबिया), नींद में कमी, तनाव बढ़ना और बार-बार फोन चेक करने जैसे व्यवहारगत लक्षण पाए गए हैं। ये लक्षण किसी भी व्यक्ति के अवसादग्रस्त होने की श्रेणी में आते हैं, लेकिन यह किसी सामान्य अवसाद ग्रस्त व्यक्ति से कहीं अधिक घातक इसलिए हैं, क्योंकि किसी समस्या से अवसादग्रस्त व्यक्ति तो समस्या के समाधान की उम्मीद में अवसाद से उबर सकता है, लेकिन इसमें उबरने के प्रबल इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। समय रहते यदि मोबाइल उपयोग पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो जल्द मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं विकराल रूप ले लेंगी।

अनिल अंबानी के खिलाफ ईडी की बड़ी कार्रवाई, 1452 करोड़ रुपये की नई संपत्तियां जब्त

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों से जुड़ी मनी लांड्रिंग जांच के तहत 1452 करोड़ रुपये की नई संपत्तियां जब्त की हैं। जांच एजेंसी ने इससे पहले अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों की 7500 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की थीं। इस प्रकार इस मामले में अब तक लगभग नौ हजार करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है।

सूत्रों ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित इन संपत्तियों को जब्त करने के लिए मनी लांड्रग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अंतरिम आदेश जारी किया गया है।

सुत्रों के अनुसार, ये संपत्तियां नवी मुंबई, चेन्नई, पुणे और भुवनेश्वर में स्थित हैं। ईडी ने इस मामले में अगस्त में अनिल अंबानी से पूछताछ की थी।

'मैं बौद्ध धर्म को मानता हूं, लेकिन सभी धर्मों में विश्वास'

विदाई समारोह में बोले CJI बीआर गवई

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश बीआरगवई ने गुरुवार को कहा कि वह बौद्ध धर्म को मानते हैं, लेकिन वास्तव में वह वह एक पंथनिरपेक्ष इंसान हैं जो सभी धर्मों में विश्वास करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्सऑन रिकार्ड एसोसिएशन द्वारा आयोजित विदाई कार्यक्रम में जस्टिसगवई ने आभार जताते हुए कहा कि देश की न्यायपालिका ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। जस्टिसगवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं और शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में उनका आखिरी कार्यदिवस होगा। प्रधान न्यायाधीशनेकहा, ''मैंनेसभी धर्मों में विश्वास अपने पिता से सीखा है। गवई ने कहा कि वह सिर्फ डा. आंबेडकर और संविधान की वजह से ही इस पोजिशन तक पहुंच पाए। कहा कि सीजेआई ही नहीं बल्कि सभी जजों का कोर्ट होना चाहिए।

पालिताना में कम उम्र में आचार्य बनकर

जैन मुनि परम पूज्य पन्यास श्री लब्धिवल्लभ विजय रचेंगे इतिहास

जागरण जंक्शन संवाददाता

मुंबई। जैनों के पावन तीर्थ पालिताना में 23 नवम्बर की सुबह एक अविस्मरणीय शुभ अवसर का साक्षी बनेगा—परम पूज्य पन्यास श्री लब्धिवल्लभ विजयजी महाराज को आचार्य पद प्रदान किया जाएगा। यह अद्वितीय कार्यक्रम पालिताना स्थित सिद्धवड महातीर्थ की पावन भूमि पर आयोजित होगा।

परम पूज्य पन्यास भगवंत श्री लब्धिवल्लभ विजयजी महाराज वर्तमान में 37 वर्ष के हैं, किंतु उन्होंने मात्र आठ वर्ष की अल्पायु में दीक्षा ग्रहण की थी। उनके दीक्षा-पर्याय को अब 29 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इतनी कम उम्र में आचार्य पद प्रदान करने का यह सौभाग्य आचार्य श्रीमद् विजय रश्मीरत्नसूरिश्वरजी महाराज साहेब के वर्ध हस्तों से सिद्धवड तीर्थभूमि पर सम्पन्न होगा।

पन्यासप्रवर लब्धिवल्लभ विजयजी महाराज ने अपना साधु-जीवन अत्यंत मर्यादित संपर्क, संघ-कल्याण की सूक्ष्म निष्ठा और अध्ययन के प्रति अडिग भावना के साथ व्यतीत किया है। उनके जीवन में व्यक्ति नहीं, बल्कि संकल्प प्रमुख रहा है, और प्रसिद्धि से अधिक शांति व कार्यशीलता देखने को मिलती है।

आचार्य पद प्रदान का यह शुभ अवसर 200 से अधिक साधु–साध्वी वृंद की निश्रा में आयोजित होगा। इस अवसर के साक्षी बनने के लिए गुरु-भक्तों की भारी उपस्थिति रहने की संभावना है। समारोह की सूचना मिलते ही श्रावक-श्राविकाओं, उपासकों और संघजनों के हृदय में भद्रभाव और आदर की लहर दौड़ पड़ी है। यह पूरा समारोह शांति, शिस्त और गुरु परंपरा की गौरवमयी नम्रता के साथ सम्पन्न होगा। हालाँकि आचार्य पद-ग्रहण का मुख्य अवसर 23 नवम्बर को है, पर 22 नवम्बर की सुबह छह बजे ओपन स्काई मेडिटेशन (ध्यान) का कार्यक्रम होगा।

इसके बाद सुबह नौ बजे लब्धिवल्लभ विजयजी महाराज के जीवन-वैराग्य के '*एक अनजाने पहलू' से आराधकों को अवगत कराया जाएगा। शाम सात बजे 'नमो आयरियाणं' कार्यक्रम के माध्यम से आचार्य भगवंतों का महिमागान किया जाएगा।

अवैध कोयला खनन मामले में ED का बड़ा एक्शन, बंगाल-झारखंड में 40 से ज्यादा ठिकानों पर रेड

नई दिल्ली। झारखंड और पश्चिम बंगाल में कोयला माफियाओं के खिलाफ ईडी का एक्शन जारी है। प्रवर्तन निदेशालय ने कोयला माफिया के खिलाफ 40 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापामारी की है। अधिकारियों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर, पुरुलिया, हावड़ा और कोलकाता जिलों में 24 परिसरों में अवैध कोयला खनन, अवैध परिवहन और कोयले के भंडारण मामले के संबंध में तलाशी ले रहा है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, नरेंद्र खरका, अनिल गोयल, युधिष्ठिर घोष, कृष्ण मुरारी कयाल और अन्य के ठिकानों पर शुक्रवार सुबह से ED की छापेमारी चल रही है। बंगाल में रेड के दौरान भारी मात्रा में कैश एवं जेवरात बरामद हुए हैं। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी झारखंड में 18 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

बच्चों को मिलने वाले होमवर्क का बदल गया तरीका

क्रिएटिव कामों पर बढ़ा स्कूलों का फोकस

नई दिल्ली। स्कूलों में होमवर्क के नाम पर बच्चों को दिए जानेवाले भारी भरकम कामों के दिन लदने लगे हैं। स्कूलों का जोर इस तरह के होमवर्क पर है, जिसे करने में बच्चों का ज्यादा समय न लगे और उनको खुशी भी मिले। साथ ही साथ कुछ नया सीखकर उस पर अमल करने के लिए बच्चों को रचनात्मक कामों में भी लगाने पर स्कूलों ने फोकस बढ़ा दिया है।

विशेषज्ञों के मुताबिक भारी भरकम होमवर्क से बच्चों की रचनात्मकता खत्म होने लगी थी। छात्रों को मिलनेवाले भारी भरकम होमवर्क को लेकर पूरे देश में चता जताई जाती थी। 2018 में वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) में पाया गया था कि 74 प्रतिशत शहरी भारतीय छात्रों को दैनिक होमवर्क मिलता है, जबकि सीखने में कोई खास फायदा नहीं होता। साथ ही छात्रों का तीन से चार घंटे का कीमती समय होमवर्क करने में चला जाता है। अभिभावकों की बात इस मामले में बच्चों के स्वजनों की राय बंटी हुई है। दिल्ली की दिवांशी श्रेय का कहना है कि स्कूलों की ये पहल अच्छी है कि बच्चों को घंटों बैठकर किताब से नोट्स नहीं उतारने होंगे।

टेकटेक्सटिल इंडिया 2025 की जोरदार शुरूआत- फंक्शनल टेक्सटाइल का एक नए दौर में प्रवेश

जागरण जंक्शन संवाददाता

मुंबई/ठाणे। भारत के प्रीमियर ट्रेड फेयर, टेकटेक्सटिल (टेकटेक्सटाइल) इंडिया 2025 की शुरूआत आज बांबे एक्जिबिशन सेंटर में हो गई। 19 नवंबर से 21 नवंबर तक चलने वाले इस तीन दिवसीय एक्जिबिशन में दुनिया- देश भर के 215 एक्जिबिटर हिस्सेदारी कर रहे हैं। इनमें 80 एक्जिबिटर ऐसे हैं जो पहली बार इस एक्जिबिशन में हिस्सेदारी करेंगे जहां टेक्सटाइल वैल्यू चेन से जुड़ी 12 आधुनिक कार्यप्रणाली पर आधारित टेक्सटाइल सेगमेंट के साक्षी बनेंगे। टेकटेक्सटिल के इस 10वें संस्करण का आयोजन, मेसे फ्रेंकफर्ट ट्रेड फेयर्स इंडिया के सौजन्य से किया जा रहा है जिसमें टेकनिकल टेक्सटाइल्स, नॉन औवेन और कांपोजिट्स का प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

तेजी से विस्तार ले रही टेक्सटाइल इंडस्ट्री के विकास को प्रदर्शित करने वाले इस शानदार शो में कुल 300 से ज्यादा ब्रांड, डेडिकेटेड स्पोर्टटेक पैवेलियन और जर्मन पैवेलियन रहेंगे जहां 13 ब्रांडों का प्रदर्शन अलग से किया जाएगा। इस मशहूर बी2बी इवेंट में शामिल होने वाले मेहमानों के सामने एक दूसरे से जुड़ने और नेटवर्किंग के अच्छे अवसर होंगे जहां वे आधुनिक पीढ़ी के साल्यूशन के साथ ही, मजबूत पार्टनरशिप तैयार करने का मौका मिलेगा।

ENGLISH हिन्दी DAILY / दैनिक
जागरण जंक्शन
JAGRAN JUNCTION
FRIDAY | 21 NOV 2025

नाबालिग को 100 उठक-बैठक लगवाने वाली टीचर अरेस्ट

स्कूल में बैग लादकर 100 उठक-बैठक लगाने के बाद छात्रा की हो गयी थी मौत

जागरण जंक्शन संवाददाता

वसई। 13 साल के मासूम बच्ची की शिक्षक की सजा से मौत हो गई। आरोप है कि महिला टीचर ने 6वीं में पढ़ने वाली मासूम छात्रा को 100 उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया था। जिसके बाद बच्ची की हालत बिगड़ गई और मुंबई में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इस मामले में आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है। दरअसल, पूरा मामला पालघर जिले के वालिव थाना क्षेत्र के सातीवली का है। जहां कथित तौर पर 8 नवंबर को एक निजी स्कूल के टीचर ने छात्र को स्कूल में देर से आने पर कथित तौर पर 100 उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया।

छात्रा की मां ने आरोप लगाया है कि उसकी बेटी की मौत उसके टीचर द्वारा दी गई "अमानवीय सजा" के परिणामस्वरूप हुई, जिसने उसे स्कूल बैग पीठ पर रखकर उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया था। जो वह बर्दाश्त नहीं कर पाई।

वालिव पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि टीचर को वसई क्षेत्र के सातीवली स्थित निजी स्कूल से हटा दिया गया है। टीचर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। इस घटना के बाद शिक्षा विभाग एक्शन में है।

सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी- योगशास्त्र, आर्कियोलोजी एवं कल्चरल हेरिटेज में कोर्सेज़ के ज़रिए भारत के प्राचीन ज्ञान को कर रहा है, पुनर्जीवित

मुंबई। सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी भारतीय ज्ञान प्रणाली पर ध्यान केन्द्रित करते हुए देश के उच्च शिक्षा परिवेश को सशक्त बनाने के प्रयास जारी रखे हुए है। युनिवर्सिटी- केजे सोमैया इंस्टीट्यूट ऑफ धर्मा स्टडीज़ के तहत योगशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व, प्राचीन भाषा एवं साहित्य तथा धार्मिक अध्ययन में कई प्रोग्राम लेकर आई है, जो 21वीं सदी की इंटेलेक्चुअल ज़रूरतों को पूरा करते हुए भारत की सभ्यता पर आधारित ज़रूरी ज्ञान प्रदान करते हैं।

भारतीय ज्ञान प्रणाली में अनुसंधान एवं अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त यह संस्थान देश के कुछ ही सेंटरों में से एक है, जो आधुनिक अनुसंधान में संस्कृत, पाली, प्राकृत, हिंदु अध्ययन, जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म के अध्ययन को शामिल करते हैं। संस्थान का बहु-विषयक दृष्टिकोण दर्शनशास्त्र, पुरातत्व, भाषा विज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान एवं सांस्कृतिक इतिहास से प्रेरित है- यह छात्रों को उन विचारों, परम्पराओं एवं प्रथाओं के अध्ययन में सक्षम बनाता है, जिन्होंने भारतीय एवं वैश्विक विचारों को आकार दिया है।

हिंदी बोलने पर छात्र को बेरहमी से पीटा

आहत होकर पीड़ित ने की आत्महत्या

मुंबई। अब तक हिंदी - मराठी विवाद में हिंदीभाषियों की ही पिटाई होती रही है। पहली बार हिंदी बोलने पर एक मराठीभाषी युवक को ही कुछ मराठियों ने इतना पीटा कि आहत होकर उसने अपनी जान दे दी। घटना मंगलवार की है। कल्याण निवासी 19 वर्षीय मराठी युवक अर्णव खैरे सुबह लोकल ट्रेन से मुलुंड स्थित अपने कॉलेज जाने के लिए निकला था। ट्रेन में भीड़ अधिक होने के कारण उसे धक्का लग रहा था, तो उसने हिंदी में सिर्फ इतना कहा कि, 'भाई थोड़ा आगे हो जाओ, धक्का लग रहा है। उसके इतना बोलते ही मराठी यात्रियों के एक समूह ने उसे पीटना शुरू कर दिया। पीटे जाने पर उसने कहा कि वह खुद मराठीभाषी है। इसके बावजूद उसकी पिटाई बंद नहीं हुई। डर कर वह अपने गन्तव्य से एक स्टेशन पहले ही उतर गया, और दूसरी ट्रेन पकड़ कर अपने कॉलेज गया। विज्ञान के विद्यार्थी अर्णव ने वहाँ प्रैक्टिकल की क्लास अटेंड की। बाकी लेक्चर छोड़कर वह अपने घर लौट गया।

अर्णव के पिता जीतेंद्र खैरे का कहना है घर लौट कर भी वह काफी डरा हुआ था। उसने बताया कि उसे थप्पड़ों से पीटा गया और धमकाया गया। उससे कहा गया कि तुम्हें मराठी बोलने में दिक्कत क्या है। जीतेन्द्र खैरे के अनुसार पिटाई से वह काफी आहत था। कुछ देर बाद उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

गंभीर अभिघताज मस्तिष्क चोटों से पीड़ित 4 वर्षीय बच्चे की जान बचाई

जागरण जंक्शन संवाददाता

मुंबई। समन्वित आपातकालीन प्रतिक्रिया और विशेष देखभाल के एक उल्लेखनीय मामले में, पैदल मार्ग पर चलते समय बहुत अधिक चोट और गंभीर रूप से घायल 4 वर्षीय वैभव मिश्रा को जसलोक हॉस्पिटल के आपातकालीन विभाग में लाया गया। ऐसा माना जा रहा है कि सड़क पार करने की कोशिश करते समय कार की टक्कर लगने से बच्चा घायल हुआ और पुलिस कर्मी को अकेले मिला था।

जब पुलिस आई, वैभव बेहोशी के गंभीर रूप से निम्न स्तर (ग्लासगो कोमा स्केल स्कोर E1V1M1) पर था जिसका अर्थ हैं की बेहोशी और गहरे दर्द के प्रति कोई प्रतिक्रिया नहीं है, जो सिर में चोट और कई बाहरी चोटों का संकेत था। जसलोक हॉस्पिटल में डॉ. सचना शेट्टी और डॉ. सुनील जैन सहित दुर्घटना

और आपातकालीन टीम ने तुरंत रीढ़ की हड्डी को स्थिर करने और एंडोट्रैचियल इंटुबैशन के माध्यम से वायुमार्ग प्रबंधन और रोगी को स्थिर करने के लिए द्रव पुनर्जीवन के साथ बाल चिकित्सा आघात प्रोटोकॉल शुरू किया।

प्रारंभिक इमेजिंग और निदान आपातकालीन इमेजिंग से गंभीर चोटों का पता चला, जिसमें दोनों फेफड़ों में कई चोटों के साथ इंट्राक्रैनियल रक्तस्राव और फैला हुआ मस्तिष्क शोफ शामिल है। अतिरिक्त चोटों में कॉलर बोन, जबड़े और पहली पसली में फ्रैक्चर के साथ-साथ दाएं तरफ न्यूमोथोरैक्स शामिल था, जिनकी पहचान मस्तिष्क, रीढ़, छाती और पेट के सीटी स्कैन के माध्यम से की गई थी। यहाँ एक फैली हुई एक्सोनल चोट होने का संदेह था और बाद में एमआरआई ब्रेन रिपोर्ट द्वारा इसकी पुष्टि की गई।

पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय है हिंसक घटनायें

भारत ने गाजा की गंभीर स्थिति पर चिंता जताते हुए वहां मानवीय मदद बरकरार रखने का आह्वान करने के साथ-साथ बंधक बनाये गये सभी लोगों को रिहा करने की जरूरत पर जिस तरह बल दिया है, उसे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच सार्थक हस्तक्षेप की तरह देखा जाना चाहिए...

विदेश मंत्रालय की तरफ से यह चिंता इस्राइल के विदेश मंत्रालय की तरफ से एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के भारत दौरे के बीच जतायी गयी. बेशक भारतीय प्रतिक्रिया में हमास और इस्राइल का नाम लेने से परहेज किया गया, लेकिन इससे स्पष्ट है कि भारत वहां की स्थिति पर नजर रखे हुए है.दरअसल मंगलवार को इस्राइल द्वारा दोबारा शुरू किये गये हवाई हमले में 400 से अधिक फिलीस्तीनी मारे गये थे. इसे संघर्ष की शुरुआत के बाद से अब तक का सबसे घातक हमला बताया गया है. उसके अगले दिन इस्राइल ने गाजा के उत्तरी हिस्से में जमीनी सैन्य अभियान भी शुरू कर दिया. इस तरह 19 जनवरी से चले आ रहे उस युद्धविराम का अंत हो गया, जो अमेरिका, मिस्र और कतर की मध्यस्थता से हुआ था. दरअसल इस्राइल और हमास के बीच हुए युद्धविराम समझौते में तीन चरण शामिल थे और दूसरे चरण पर करीब छह सप्ताह पहले बातचीत शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इसके पक्ष में नहीं थे.

नेतन्याहू का कहना है कि हमास के खात्मे और सभी बंधकों की मुक्ति से पहले इस्राइल चैन से नहीं बैठेगा. जबकि अक्तूबर 2023 में इस्राइल पर हमले से इस संघर्ष की शुरुआत करने वाले हमास का कहना है कि इस्राइल द्वारा हवाई हमले फिर से शुरू तकने के बावजूद उसकी तरफ से बातचीत के दरवाजे खुले हुए हैं. गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार से जारी हमलों में अब तक गाजा में 436 लोग मारे गये हैं और वहां मौत का कुल आंकड़ा 61,700 से भी ज्यादा हो चुका है. दूसरी ओर, हमास के हमले में 1,100 से ज्यादा इस्राइली मारे गये हैं.

सिर्फ यही नहीं कि गाजा पर इस्राइली हमले में संयुक्त राष्ट्र के एक कर्मचारी की मौत हो गयी और पांच घायल हो गये, बल्कि हमास की कैद में इस्राइल के जो 59 बंधक बताये जा रहे हैं, उनके परिजन भी दोबारा हमले शुरू होने से डरे हुए हैं. युद्धविराम समझौते के टूटने और गाजा में अमानवीय स्थितियों के मद्देनदर इस संघर्ष पर अंकुश लगाना मानवता का तकाजा है.

भारतीय मिशनों के सहयोग से साइबर फ्रॉड में फंसे 269 नागरिकों की हुई घर वापसी

नई दिल्ली/ मुंबई। दक्षिण-पूर्व एशिया में साइबर अपराध से जुड़े धोखाधड़ी केंद्रों में फंसे भारतीयों की रिहाई और स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के भारत सरकार के प्रयास निरंतर जारी हैं। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास और चियांग माई स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने 18 नवंबर को भारतीय वायु सेना की दो विशेष उड़ानों द्वारा थाईलैंड के सीमावर्ती शहर माई सोत से 11 महिलाओं सहित 269 भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी में मदद की है।

थाईलैंड व म्यांमार स्थित भारतीय मिशनों द्वारा थाईलैंड सरकार की विभिन्न एजेंसियों के साथ निकट समन्वय से यह कार्य संचालित किया गया। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास और चियांग माई स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने रॉयल थाई सरकार और थाईलैंड के टाक प्रांत के प्रशासन की विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी में मदद की। ये भारतीय नागरिक कथित तौर पर म्यांमार के म्यावाड्डी में धोखाधड़ी केंद्रों में शामिल थे और हाल ही में इन केंद्रों पर हुई छापेमारी के बाद रिहा हुए हैं।''

थाईलैंड और म्यांमार स्थित भारतीय दूतावास म्यांमार में बड़ी संख्या में चल रहे धोखाधड़ी केंद्रों के चंगुल में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए दोनों सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

भारतीय मिशनों ने दक्षिण-पूर्व एशिया में पिछले करीब एक वर्ष के दौरान साइबर फ्रॉड में फंसे 1300 से अधिक भारतीय लोगों को स्वदेश वापस भेजने में कामयाबी हासिल की है, जिनमें इस हालिया घटनाक्रम के अलावा इस महीने की शुरुआत में हुई 270 नागरिकों की स्वदेश वापसी भी शामिल है।

बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास ने कहा, ''भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे विदेश में नौकरी के प्रस्ताव स्वीकार करने से पहले विदेशी नियोक्ताओं की साख की पुष्टि करें और भर्ती एजेंटों और कंपनियों के पिछले रिकॉर्ड की जांच करें।

इसके अलावा, भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए थाईलैंड में वीजा मुक्त प्रवेश केवल पर्यटन और लघु व्यवसाय उद्देश्यों के लिए है और इसका थाईलैंड में रोजगार पाने के लिए दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए।''

धूम्रपान छोड़ने से लेकर वैक्सीनेशन तक सभी सेवाएँ एक ही स्थान पर

मुंबई। विश्व सीओपीडी दिवस के अवसर पर मणिपाल हॉस्पिटल्स कोलकाता ने धूम्रपान त्याग क्लिनिक और पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन व वैक्सीनेशन क्लिनिक की औपचारिक शुरुआत की। इन नई सेवाओं के साथ अस्पताल की श्वसन–देखभाल सुविधाएँ और अधिक व्यापक तथा सशक्त बन गई हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध क्रिकेटर और प्रस्तुतकर्ता झूलन गोस्वामी उपस्थित रहीं। उनके साथ प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक गौतम घोष, फुटबॉल खिलाड़ी गौतम सरकार, सांसद सायनी घोष, विधायक सुजीत बसु और कई आईएएस–आईपीएस अधिकारी तथा खेल जगत के विशिष्ट व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने फेफड़ों के स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता अभियान को और अधिक प्रभावशाली बनाया।

नए धूम्रपान त्याग क्लिनिक में लोगों को धूम्रपान छोड़ने के लिए व्यवस्थित काउंसलिंग, व्यवहारगत समर्थन, दवाइयों की सहायता और नियमित फॉलो–अप जैसी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। वहीं, पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन और वैक्सीनेशन क्लिनिक में मरीजों की शारीरिक स्थिति के अनुरूप विशेष रिहैबिलिटेशन योजनाएँ, श्वास–व्यायाम और वैज्ञानिक रूप से निर्धारित वैक्सीनेशन कार्यक्रम प्रदान किए जाएँगे। ये सुविधाएँ खास तौर पर उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं जो फेफड़ों के संक्रमण या लंबे समय से चल रही श्वसन–समस्याओं के जोखिम में हैं। इन पहलों के माध्यम से मणिपाल हॉस्पिटल्स यह दिखाता है कि वह उपचार के साथ-साथ रोग–निवारण और मरीज–केंद्रित सेवाओं को भी उतना ही महत्व देता है।

कार्यक्रम की शुरुआत अस्पताल के विभिन्न यूनिटों के पल्मोनोलॉजी विशेषज्ञों द्वारा आयोजित एक खुली चर्चा से हुई। इसमें सीओपीडी के शुरुआती लक्षण, पर्यावरणीय कारण, समय पर पहचान, धूम्रपान छोड़ने की आवश्यकता और वैक्सीनेशन के महत्व पर सरल और स्पष्ट जानकारी दी गई।

भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में युवा व्यवसायी रूपेश पाण्डेय ने हासिल की 800 मिलियन डॉलर की नेट वर्थ

जागरण जंक्शन संवाददाता

मुंबई। कुशल रणनीतिक दृष्टि, नवाचार और नेतृत्व का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए, भारत के सबसे गतिशील और प्रभावशाली व्यवसायियों में से एक, श्री रूपेश पाण्डेय ने 800 मिलियन डॉलर की उल्लेखनीय नेट वर्थ हासिल कर एक तरह से वह मील का पत्थर छू लिया है — जो मुख्य रूप से भारतीय बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में उनके क्रांतिकारी उद्यमों और निवेश से प्रेरित है। यह उपलब्धि न केवल उन्हें देश के सबसे युवा और तेजी से उभरते उद्यमियों में शामिल करती है, बल्कि आधुनिक, तकनीक आधारित समाधानों के माध्यम से भारत के वित्तीय परिदृश्य को बदलने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर करती है। निःसंदेह रूपेश पाण्डेय की यह उपलब्धी देश की आर्थिक प्रगती और उज्जवल भविष्य के लिए एक मजबूत आधारस्तंभ होगा। गौरतलब है कि देश की आर्थिक प्रगति में बैंकिंग क्षेत्र का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह बचत को निवेश में बदलकर, ऋण उपलब्ध कराकर, व्यापार को सुगम बनाकर और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को गति देता है।

बैंक विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, उद्योग और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करके रोजगार सृजन और संतुलित क्षेत्रीय विकास में मदद करते हैं। लेकिन यह सब तभी संभव है जब इस सेक्टर से जुड़े वित्तीय संस्थानों का संचालन कुशलता से किया जाय। अपनी युवावस्था के दौरान बैंकिंग क्षेत्र में इतनी बड़ी उपलब्धी हासिल कर रूपेश पाण्डेय उन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं जो देश की आर्थिक प्रगति में योगदान करने का जज्बा रखते हैं। बैंकिंग क्षेत्र में जोशीले युवा नेतृत्व के जुड़ने से इस क्षेत्र का तेजी से विस्तार एवं विकास भी होगा।

ग्लोब एंटरप्राइजिस ने दूसरी तिमाही के मजबूत परिणाम घोषित किए

कंपनी ने दी वर्चुअल ब्रांच ऑफिस खोलने की स्वीकृति

मुंबई। देश में कपड़ा, डेनिम और होम टेक्सटाइल के प्रमुख निर्माता ग्लोब एंटरप्राइजिस (इंडिया) लिमिटेड ने सितंबर-2025 में समाप्त तिमाही और अर्धवार्षिक वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने इस अवधि में मजबूत परिचालन प्रदर्शन और निरंतर कारोबारी गति दर्ज की है। कंपनी ने दूसरी तिमाही (सितंबर-2025) में 15,856.26 लाख रुपये की आय दर्ज की है, जो पिछली तिमाही (जून 2025) की 14,844.87 लाख रुपये की तुलना में 6.81% की वृद्धि दर्शाती है। दूसरी तिमाही (सितंबर-2025) में कर के बाद लाभ 446.38 लाख रुपये रहा, जो पिछली तिमाही (जून 2025) के 139.52 लाख रुपये की तुलना में 219.94% की मजबूत बढ़ोतरी दिखाता है। यह सुधार बेहतर मार्जिन और उच्च परिचालन दक्षता से संभव हुआ है।

ग्लोब एंटरप्राइजिस (इंडिया) लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भाविक परिख ने कहा कि, "तिमाही और अर्धवार्षिक अवधि के हमारे मजबूत वित्तीय परिणाम कंपनी की परिचालन दक्षता और बाजार विस्तार पर हमारे विशेष फोकस को दर्शाते हैं।

तेज़ी से बदल रही है साइबर ठगी: फेडएक्स

अनजानी कॉल कॉल किसी भी व्यक्ति को ऑनलाइन ठगी का शिकार बना सकती है

FedEx

जागरण जंक्शन संवाददाता

मुंबई। डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन भुगतान के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधियों के तरीके भी पहले से कहीं अधिक तेज़ी से बदल रहे हैं। फेडएक्स के अनुसार, ठग अब कुरियर कंपनी, बैंक, पेमेंट गेटवे—यहाँ तक कि असली ऐप की नोटिफ़िकेशन—सबकी हूबहू नकल कर लेते हैं। केवल एक नकली डिलीवरी मैसेज, 10 रुपये का पेमेंट लिंक या ओटीपी माँगने वाली कॉल किसी भी व्यक्ति को ऑनलाइन ठगी का शिकार बना सकती है।

यदि किसी व्यक्ति को कोई संदिग्ध मैसेज, लिंक या वित्तीय लेन-देन दिखाई देता है, तो अगला कदम अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। समय पर उठाया गया सही कदम न केवल संभावित नुकसान से बचा सकता है, बल्कि दूसरों को भी सुरक्षित रख सकता है।

फेडएक्स का सुझाव है कि यदि आपको किसी ठग से संदिग्ध नंबर, ईमेल या सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से संपर्क किया जाए, तो सबसे पहले उस संचार को तुरंत बंद कर दें और बिना किसी प्रतिक्रिया के संबंधित अकाउंट को ब्लॉक कर दें। किसी भी परिस्थिति में अतिरिक्त जानकारी जैसे ओटीपी, कार्ड नंबर, पासवर्ड या कोई भी संवेदनशील विवरण साझा न करें, और यदि ऐसा अनजाने में हो गया हो, तो तुरंत अपने बैंक से संपर्क करके कार्ड ब्लॉक या खाता फ्रीज़ कराएँ। साथ ही, संदिग्ध संदेश, ईमेल, ट्रांज़ैक्शन आईडी और संपर्क नंबरों के स्क्रीनशॉट सुरक्षित रखें, क्योंकि ये आगे की जांच और शिकायत प्रक्रिया में बेहद उपयोगी साबित होते हैं। इसके अलावा, अपने बैंक और यूपीआई ऐप में हाल के सभी लेन-देन की जाँच अवश्य करें, और यदि कोई संदिग्ध एंट्री दिखाई दे, तो तुरंत ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज करें या कस्टमर केयर को सूचित करें।

कहाँ और कैसे करें शिकायत:

फेडएक्स ने बताया कि किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज करना बेहद आवश्यक है। इसके लिए सबसे पहले 1930 पर कॉल करें, जो राष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी हेल्पलाइन है और वित्तीय ठगी के मामलों में तत्काल सहायता प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, cybercrime.gov.in पर "Report Other Cyber Crime" सेक्शन में फ़िशिंग, सोशल मीडिया धोखाधड़ी या नकली पहचान से संबंधित शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं। साथ ही, अपने बैंक या यूपीआई ऐप—जैसे गूगल पे, फोनपे, पेटीएम—को तुरंत सूचित करें, क्योंकि इन सभी प्लेटफॉर्म्स पर 'Report Fraud' का विकल्प उपलब्ध है, जिसका तुरंत उपयोग किया जाना चाहिए। यदि आर्थिक नुकसान गंभीर हो, तो नज़दीकी पुलिस स्टेशन में जाकर एफआईआर भी दर्ज करानी चाहिए ताकि मामले की आगे जांच की जा सके।

किसी भी तरह की ठगी को समय रहते पहचान लेना अपने-आप में एक बड़ी जीत है, लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज करना दूसरों को उसी जाल में फँसने से बचाता है। साइबर ठग अक्सर एक ही लिंक, संदेश या चाल को कई शहरों और अलग-अलग प्लेटफ़ॉर्म पर बार-बार इस्तेमाल करते हैं। आपकी समय पर दिखाई गई सतर्कता किसी अगली घटना को रोक सकती है और किसी अन्य व्यक्ति के लिए सुरक्षा की ढाल बन सकती है। भारत की साइबर सुरक्षा व्यवस्थाएँ लगातार मजबूत हो रही हैं, लेकिन जागरूकता और सावधानी आज भी हमारी पहली और सबसे प्रभावी रक्षा है।

फेडएक्स डिजिटल अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं, छोटे व्यवसायों और समुदायों को सुरक्षित रूप से काम करने में सक्षम बनाने के लिए साइबर जागरूकता और शिक्षा से संबंधित पहलों का समर्थन करता है। फ्रॉड से बचाव और साइबर सुरक्षा के बारे में अधिक जानकारी के लिए फेडेक्स की अधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

ENGLISH/हिन्दी DAILY / दैनिक जागरण जंक्शन
JAGRAN JUNCTION
FRIDAY | 21 NOV 2025

अली अब्बास जफर ने यश राज फिल्म्स की अनटाइटल्ड एक्शन रोमांस में अहान पांडे के सामने ऐश्वर्य ठाकरे को नेगेटिव लीड के रूप में कास्ट किया; दो युवा सितारों के बीच जबरदस्त मुकाबला तय!

पिछले कुछ वर्षों में ऐश्वर्य ठाकरे का नाम लगातार चर्चा में रहा है, बतौर उभरते अभिनेता जिन पर सभी की नजर है। अनुराग कश्यप की निशांची में उनके प्रदर्शन ने उनकी प्रतिभा को साबित किया, जहां उन्हें सर्वसम्मति से सराहना और प्यार मिला। उनकी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वासी अभिनय ने यह साफ कर दिया है कि वे देखने लायक नया टैलेंट हैं। अब ऐश्वर्य को एक और बड़ी मान्यता मिली है—अली अब्बास जफर जैसे दिग्गज निर्देशक ने वाईआरएफ की एक्शन रोमांस फिल्म में उन्हें नेगेटिव लीड के रूप में साइन किया है। यहां वे सैयारा स्टार अहान पांडे के सामने एक तीखे, खूनी टकराव में नज़र आएंगे। यह तरोताजा और युवा कास्टिंग भारत के दो बेहतरीन उभरते अभिनेताओं—अहान और ऐश्वर्य—के बीच एक दिलचस्प भिड़ंत पेश करेगी।

दरअसल, अली अब्बास ज़फर ने वाईआरएफ की अपनी अगली फिल्म के लिए तीन सबसे बेहतरीन युवा कलाकार—अहान पांडे, शर्वरी और ऐश्वर्य ठाकरे—को एक साथ लाया है। यह फिल्म इसलिए भी बेहद प्रत्याशित है क्योंकि दर्शकों ने यह साफ किया है कि वे नए टैलेंट को बड़े पर्दे पर धमाल मचाते देखना पसंद करते हैं, जैसा कि सैयारा की ऐतिहासिक सफलता में देखा गया, जिसने अहान पांडे और अनीत पड्डा को दर्शकों का अपार प्यार दिलाया और भारतीय सिनेमा की सर्वकालिक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली प्रेम कहानी बना दिया।

आकांक्षा रंजन कपूर फिर बनीं पेट मॉम; अपनाया अपना दूसरा इंडी स्ट्रे डॉग

एक्टर आकांक्षा रंजन कपूर अब दोबारा गर्व से कह सकती हैं—"मैं पेट मॉम हूं!" पहले से ही अपनी तीन साल पहले अपनाई गई डॉगी मिजा की लाडली मम्मी, आकांक्षा ने अब एक और रेस्क्यू इंडी पप्पी को अपने परिवार का हिस्सा बना लिया है। जानवरों के प्रति उनकी गहरी मोहब्बत किसी से छिपी नहीं—वो लगातार एडॉप्शन ड्राइव्स, लोकल शेल्टर्स और एनिमल वेलफेयर इनिशिएटिव्स को सपोर्ट करती रही हैं। अक्सर इंडी डॉग्स को बचाते, परेशान जानवरों की मदद करते और लोगों को पालतू खरीदने की बजाय अपनाने की सलाह देती दिखाई देती हैं। आकांक्षा ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी सी तस्वीर शेयर करके ये खुशखबरी दी, जिसमें वो नन्हे से पप्पी को गोद में लेकर उसके सिर पर प्यार भरा किस देती दिख रही हैं।

धुरंधर का ट्रेलर हुआ लॉन्च

अर्जुन–रणवीर की फायर बॉन्डिंग ने बढ़ाई फिल्म की धड़कनें!

जागरण जंक्शन संवाददाता

फिल्म धुरंधर के धमाकेदार ट्रेलर लॉन्च में अर्जुन रामपाल का एक बयान सबसे ज़्यादा सुर्खियों में है, "मैंने इस फिल्म में कभी रणवीर सिंह को नहीं देखा, मैं हमेशा हमज़ा को ही देखता रहा।" अपने इस दिल छू लेने वाले कमेंट के साथ अर्जुन ने ना सिर्फ़ रणवीर की परफॉर्मेंस की तारीफ़ की, बल्कि यह भी दिखा दिया कि फिल्म की तैयारी कितनी गहरी और जुनूनी रही है।

ट्रेलर में 'एंजेल ऑफ डेथ', आईएसआई मेजर इक़बाल के रूप में अर्जुन का खतरनाक, सिहरन पैदा करने वाला अवतार पहले ही दर्शकों को बांध चुका है। इवेंट के दौरान उन्होंने कहा, "आदित्य धर का शुक्रिया। इतनी बड़ी और एम्बिशस फिल्म को बैक करने के लिए ज्योति देसाई और जियो जैसे लोगों की जरूरत थी। सभी कलाकारों और टीम का मैं शुक्रिया अदा करता हूं। हमें इस फिल्म के लिए अपना 'ट्रिपल-ए गेम' लाना पड़ा। रणवीर ने दो सालों में जो किया है, उस पर मुझे गर्व है। मुझे स्क्रीन पर कभी रणवीर नहीं दिखाई दिए—सिर्फ़ हमज़ा दिखे।"

अर्जुन का यह बयान सोशल मीडिया पर बज़ क्रिएट कर रहा है, क्योंकि यह रणवीर के किरदार की गहराई और दोनों एक्टर्स के बीच मौजूद सम्मान को दर्शाता है। वहीं उनके खतरनाक एक्शन और डार्क किरदार की झलक देखकर लोग कह रहे हैं कि अर्जुन ने विलेन का स्टैंडर्ड ही बदल दिया है।

फिल्म में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन और डेब्यूटेंट सारा अर्जुन जैसे दमदार कलाकार शामिल हैं। आदित्य धर द्वारा लिखित, निर्देशित और निर्मित धुरंधर 5 दिसंबर 2025 को रिलीज़ होगी। और ट्रेलर की प्रतिक्रिया देखकर साफ है कि यह फिल्म इस साल का सबसे धमाकेदार सिनेमैटिक इवेंट बनने जा रही है।

टैलेंट वैल्यू मीडिया प्रा. लि. ने आयोजित किया

नेशनल इकोनॉमिक ग्रोथ समिट एंड अवॉर्ड्स 2025 का भव्य द्वितीय संस्करण

मुंबई। टैलेंट वैल्यू मीडिया प्रा. लि. द्वारा आयोजित नेशनल इकोनॉमिक ग्रोथ समिट एंड अवॉर्ड्स (NEGS) 2025 का दूसरा संस्करण होटल ऑर्चिड, मुंबई में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन ज्ञान-साझाकरण, नवाचार और उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करते हुए भारत की आर्थिक प्रगति को नई दिशा प्रदान करने वाला साबित हुआ।

समिट के सफल आयोजन का श्रेय 'टैलेंट वैल्यू' टीम को जाता है, जिसका नेतृत्व निदेशक श्री मितेश जोबनपुत्रा ने किया। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं के चयन, मूल्यांकन तथा पैनल चर्चाओं के समन्वय का प्रभावी संचालन किया। मुख्य संबोधन में टैलेंट वैल्यू के सीईओ श्री विपुल दवे ने कंपनी की पहली वर्षगांठ का जश्न मनाते हुए भारत की विकास यात्रा में युवा उद्यमशील प्रयासों को बढ़ावा देने के मिशन पर बल दिया। उन्होंने "फ्यूचर ऑफ वर्क" में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका का वर्णन करते हुए तकनीकी कौशल, AI और सॉफ्ट स्किल्स के संतुलन को अत्यंत आवश्यक बताया।

समिट की प्रमुख आकर्षणों में 'ग्राससरूट्स टू ग्रोथ' विषय पर पैनल चर्चा शामिल रही, जिसमें सुनील मोदी, प्रभात सक्सेना, धैवत कोठारी, मृणाल नरेचा और रुबेन छेड़ा जैसे उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया। पैनल ने AI-चालित भविष्य को देखते हुए रीस्किलिंग और अपस्किलिंग की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

"वूमेन एट द हेल्म" पैनल में सुश्री ममता ढींगरा के नेतृत्व में जिनीता देसाई, येन्की अस्त्रानी, डॉ. वंदना शाह और अवंती पोरेडी ने चर्चा की। उन्होंने महिलाओं की नेतृत्व क्षमता, संचार कौशल और सतत् विकास को नवाचार और आर्थिक वृद्धि का आधार बताया। सत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री मोदी की दृष्टि और सरकारी पहलों की भी सराहना की गई।

एक विशेष सत्र में "वन लाइफ चैरिटेबल ट्रस्ट" और "श्री नारायबी गोसाला एंड चैरिटेबल ट्रस्ट" ने सामाजिक, मानवीय एवं पर्यावरणीय क्षेत्रों में एनजीओ की भूमिका पर प्रकाश डाला। साइबर-क्राइम प्रिवेंशन पर WHT Now के सह-संस्थापक अक्षत खेतान और नीति गोयल ने विस्तृत मार्गदर्शन प्रस्तुत किया।

समिट में 'मिट्टी कैफे' की संस्थापक एवं सीईओ अलीना आलम ने भी संबोधित किया। "मिट्टी कैफे" विश्व की सबसे बड़ी दिव्यांग-प्रबंधित कैफे चेन है। अंत में, पुरस्कार विजेताओं व प्रतिभागियों ने नवाचार को प्रोत्साहित करने, प्रतिभा को सम्मानित करने और भारत के भविष्य की रणनीति निर्धारण में NEGS 2025 के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की।

टैलेंट वैल्यू ने अपने सम्मानित ग्राहकों का विशेष आभार व्यक्त किया, जिनमें शामिल हैं:

लेटरल सूत्र, रवि इंडस्ट्रीज, आर्यमन फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड, फिल्मस्टॉक और मिजवान वेलफेयर सोसाइटी, कोका-कोला, एडवेंटा एंटरप्राइजेज, MOIL, रीगल रेक्सनॉर्ड, जनरल सेंट्रल इंश्योरेंस, डेक्सट्रा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, BEML, एर्गोड, SBI पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड, शीओपल्स प्राइवेट लिमिटेड, सिनर्जीकॉम, चेशायर होम इंडिया (दिल्ली यूनिट) इत्यादि।

TALENT VALUE MEDIA PVT. LTD.Presents, 2nd Edition of, National Economic Growth Summit and Awards 2025

Highlights India's Innovation, Skilling, and Future of Work

Udne Ki Aasha:

Sailee's Big Opportunity Faces New Roadblocks as Mandira and Renuka Plot Against Her

Rahul Kumar Tewary and Rolling Tales Production's Udne Ki Aasha continues to deliver gripping emotional drama, and the latest track puts Sailee at the centre of fresh conflicts and conspiracies. Mandira once again stirs trouble by deliberately misleading Renuka. She falsely claims that Sailee has been telling people Renuka forces her to work for money. Falling for Mandira's manipulation, an angry Renuka confronts Sailee and unleashes a barrage of insults, leaving Sailee hurt but determined to stay focused on her responsibilities. Meanwhile, a heartwarming moment unfolds in Arun's household. Arun and his mother express their gratitude to Juhi for stepping in and taking care of his mother during a crucial time. Juhi's gentle and selfless response impresses them even more, strengthening her bond with the family.

Alkem launches probiotic "DSS", the original De Simone formulation, in India for gut health management

JAGRAN JUNCTION

MUMBAI|

Alkem Laboratories Ltd. (BSE: 539523, NSE: ALKEM, "Alkem" and its subsidiaries) today announced the launch of DSS, the original De Simone formulation probiotic blend in India for restoring gut microbiota balance and managing various gut-related health conditions.

Developed by Prof. Claudio De Simone, this proprietary probiotic combines eight carefully selected bacterial strains in precise proportions, chosen for their distinct biochemical and enzymatic profile, to act synergistically on the physiology of the gastrointestinal system.

The De Simone formulation is recognised as one of the world's most extensively researched probiotics, backed by over 80 clinical trials and 200 publications over the last two decades. It is also endorsed by leading American and European gastroenterology associations in their guidelines for managing gastrointestinal disorders. Alkem has in-licensed these formulations from Next Gen Pharma India Pvt. Ltd.

Alkem's DSS range will be available in four strengths – 225 billion CFU sachet, 112.5 billion CFU capsule, 45 billion CFU capsule, and 10 billion CFU capsule – providing healthcare professionals and patients with tailored options to manage a wide spectrum of gastrointestinal conditions. Alkem is the first company offering all four strengths of this probiotic in India and also the first to launch 225 billion CFU and 10 billion CFU strengths in India, for which it has exclusive marketing rights.

This daily owned, printed and published by Mr. Ashutosh Shivlochan Gupta Somani Printing Press, Unit No.4, Ground Floor, N.K. Industrual Estate, Off Arey Raod, Near Pravasi Industrial Eestate Gate No.2, Goregaon (E), Mumbai - 400063, Published from Room No.2, Bechan Jaishree Patel Chawl, Cutting No.5, Bhim Nagar Kurar Village, Malad (E), Mumbai - 400 097. PRGI Regi. No. : MAHBIL/2023/84174

Note: The consent of the editor is not mandatory in all the advertisements, articles and news published in the newspaper, the concerned correspondent or representative will be responsible. In case of dispute, it will be settled only in the competent courts falling within the limits of Mumbai.